हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 14 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 13 अगस्त से 19 अगस्त 2021

हे प्रभु !

संभव की सीमा जानने का एक ही तरीका है, असंभव से भी आगे निकल जाना.

- अज्ञात

अनमोल विचार

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिये कि आप क्या सोचते हैं

- अज्ञात

नजरिया

मनुष्य जितना अपने अंदर से करुणा, दयालुता और प्रेम से भरा होगा, वह संसार को भी उसी तरह पायेगा.

-संपादक

ओबीसी आरक्षण को लेकर मोदी सरकार ने 15 दिन के अंदर लिए दो बड़े फैसले

नई दिल्ली: बीते 15 दिनों के अंदर मोदी सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर दो बड़े फैसले लिए हैं. पहला, 29 जुलाई, 2021 को मोदी सरकार ने मेडिकल शिक्षा के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ऑल इंडिया कोटे के तहत अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्गों (एहर) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया था. दूसरा, बुधवार को ही ओबीसी संशोधन बिल) संसद के दोनों सदनों से पास हो गया. अब राष्ट्रपति के यहां से मंजूरी मिलने के बाद यह बिल भी अमल में आ जाएगा. इस बिल के पास हो जाने के बाद अब राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश अपनी जरूरतों के

हिसाब से ओबीसी की लिस्ट तैयार कर सकेंगे, लेकिन आरक्षण के 50 प्रतिशत की सीमा को किसी भी हालत में नहीं बढ़ा सकेंगे. ऐसे में राज्य सरकारें या केंद्रशासित प्रदेश किसी जाति को ओबीसी कोटे में शामिल करती है तो पहले से ओबीसी में जो जातियां शामिल हैं वह विरोध भी कर सकती है. पीएम मोदी ने कहा है कि संविधान का 127वां संशोधन विधेयक 2021 का दोनों सदनों में पारित होना महत्वपूर्ण क्षण है. बता दें कि इससे पहले देश के नए स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने भी मेडिकल शिक्षा में ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान किया था. आइए समझते हैं कि हाल के दिनों में ओबीसी को लेकर मोदी सरकार ने क्या-क्या कदम उठाए हैं और कैसे उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने इसे पूरा किया है. सबसे पहले बात करते हैं कि दो सप्ताह पहले देश के स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के उस घोषणा पर, जिससे आने वाले दिनों में मेडिकल शिक्षा पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं. अब स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में ऑल इंडिया कोटे के तहत ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत और ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है. इसके साथ ही मांडविया ने 2023 से नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी) शुरू करने का निर्णय लेकर यह भी स्पष्ट संदेश दिया है कि मोदी सरकार डॉक्टरों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेगी.

दिल्ली में ऑक्सीजन से मौत नहीं हुई, ये कहना पीड़ित परिवार का मजाक उड़ाने जैसा: मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली: कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन से मौत हुई या नही इस पर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा है कि हमने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखा है. जिसमें बताया है कि दिल्ली में कुल 25000 लोगों की कोरोना से मौत हुई है. बिना जांच यह कहना बहुत मुश्किल है कि इसमें कितने लोगों की मौत ऑक्सीजन की वजह से हुई है. दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से मृत्यु नहीं हुई यह कहना फिलहाल गलत होगा. अगर कोई कहता है कि ऑक्सीजन से मौत नहीं हुई तो यह एक बहुत बड़ा भद्दा मजाक होगा.

पुलिस पर बदमाशों का हमला, एनकाउंटर में 2 अपराधी ढेर, 2 जवान भी घायल

नई दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में पुलिस टीम पर बदमाशों ने हमला कर दिया. इसके बाद पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हुई. एनकाउंटर में 2 अपराधी मारे गए हैं. इस घटना में 2 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं. पुलिस के मुताबिक आमिर खान और राजमन नाम के बदमाशों को पकड़ने के लिए ट्रैप लगाया था. दोनों बदमाश लूटपाट और हत्या जैसे मामलों में वांटेड थे. बदमाश बेगमपुर इलाके से बाइक से भागे थे,

जिसका पीछा करते हुए पुलिस आ रही थी. जानकारी के अनुसार, ये बदमाश खजूरी खास इलाके में एक कॉलोनी के अंदर घुस गए. पीछा करने वाली पुलिस टीम खजूरी खास पुलिस के साथ मिलकर ऑपरेशन चलाया, जिसमें एनकाउंटर के दौरान अपराधी ढेर हो गए. मामले में पुलिस की जांच जारी है.बदमाशों के पास से 2 ऑटोमेटिक पिस्टल, 15 जिंदा कारतूस और 4 मैगजीन बरामद की गई है.

15 अगस्त से छूट ही छूट! होटल रात 10 बजे तक खुलेंगे

मॉल दोनों डोज ले चुके लोगों के लिए खुले, क्या शुरू,क्या बंद

मुंबईः मुंबई लोकल के संबंध में यह निर्णय लिया गया है फिलहाल एक महीने या तीन महीने के पास बनाए जाएंगे. स्कूल खोले जाने को लेकर एक बार फिर आज मुख्यमंत्री टास्कफोर्स के सदस्यों के साथ मीटिंग करेंगे. इसके बाद ही आखिरी फैसला हो पाएगा. बता दें कि कल राज्य सरकार ने 17अगस्त से स्कूल खोले जाने का सर्कुलर जारी किया था. लेकिन अब मुख्यमंत्री ने एक बार फिर पुनर्विचार का फैसला लिया है. इस संबंध में गुरुवार सुबह तक निर्णय होने की संभावना है. होटल खोले जाने की समय सीमा बढ़ी, रात 10 बजे तक खोलने की इजाजत राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में काफी समय से चले आ रहे होटल व्यापारियों की मांगें मान ली गई हैं. कम लोगों की मौजूदगी के साथ होटल रात 10 बजे तक खोले जाने की छूट दे दी गई है. यह छूट 15 अगस्त से लागू होगी. होटल-रेस्टॉरेंट 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खोले जा सकेंगे. बैठने की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो सके.सैनिटाइजिंग की व्यवस्था होना जरूरी है. होटल के कर्मचारियों, वेटर्स का वैक्सीनेशन पूरा होना जरूरी है.दोनों डोज ले चुके लोगों के लिए मॉल

खुले, प्राइवेट ऑफिस 24 घंटे खुलेंगे प्राइवेट ऑफिसेस को 24 घंटे तक खोलने की अनुमति दी गई है, ताकि अलग-अलग चार शिफ्टों में कर्मचारियों को बुलाया जा सके और ऑफिस में भीड़ ना हो. शॉपिंग मॉल रात 10 बजे तक खुलेंगे लेकिन मॉल में जाने वाले लोगों के लिए वैक्सीनेशन कंप्लीट होना जरूरी होगा. यानी डबल डोज ले चुके लोगों की ही मॉल में एंट्री होगी. दूसरे डोज लेने के 14 दिनों के बाद मॉल में जाने की अनुमति होगी. दुकानदारों और कमर्चारियों के लिए भी वैक्सीनेशन जरूरी होगा. वैक्सीनेशन में दोनों डोज पूरा होना जरूरी होगा. यह नियम 15 अगस्त से लागू हो रहा है. विवाह सामारोह में इनडोर 100 लोग और आउटडोर 200 लोगों को इजाजत इसके अलावा विवाह सामारोहों में इनडोर में 100 लोगों की उपस्थिति कोअनुमति दी गई है. बाहर के लॉन में ज्यादा से ज्यादा 200 लोगों की मौजूदगी की इजाजत है. जिम भी रात 10 बजे तक 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुले रह सकेंगे. मंदिर, थिएटर, नाटकघर, सिनमाहॉल, मल्टीप्लेक्सेस बंद रहेंगे कैबिनेट बैठक के निर्णय की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि राज्य में फिलहाल मंदिर और अन्य धार्मिक स्थल बंद ही रहेंगे. थिएटर, नाटकघर, सिनेमाहॉल, मल्टीप्लेक्सेस फिलहाल बंद रहेंगे.

राजीव गांधी के नाम पर महाराष्ट्र सरकार ने शुरू किया पुरस्कार

मुंबईः पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम देश के शीर्ष खेल रत्न पुरस्कार से हटाए जाने के कुछ दिन बाद महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को समाज की मदद करने वाले सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) संगठनों को सम्मानित करने के लिए उनके नाम पर एक पुरस्कार की स्थापना की है। एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि यह पुरस्कार राजीव गांधी के योगदान के स्मरण के लिए है। राजीव गांधी 1984 से 1989 तक देश के प्रधानमंत्री रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में आइटी क्षेत्र को काफी प्रोत्साहन दिया था। आदेश के अनुसार, यह पुरस्कार हर साल दिवंगत कांग्रेस नेता की जयंती पर 20 अगस्त को दिया जाएगा, लेकिन इस साल प्राप्तकर्ता का चयन 30 अक्टूबर तक किया जाएगा।

वैक्सीनेशन को फिर लगा ब्रेक, गुरुवार-शुक्रवार मुंबई में वैक्सीन नहीं मिलेगी

मुंबई : मुंबई में 12 और 13 अगस्त को वैक्सीनेशन नही किया जाएगा. कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता नही होने के चलते दो दिनों तक वैक्सीनेशन बंद रहेगा. मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने आधिकारिक रूप से अगले दो दिनों तक वैक्सीनेशन बंद होने की घोषणा की है. 12 अगस्त (गुरुवार) की रात वैक्सीन आएगी. इसके बाद 13 अगस्त (शुक्रवार) को इसका वितरण किया जाएगा. यानी 13 अगस्त को वैक्सीन बीएमसी, सरकारी और प्राइवेट वैक्सीनेशन केंद्रों तक पहुंचाई जाएगी. इस तरह 14 अगस्त को वैक्सीनेशन फिर शुरू होगा.अब तक वैक्सीन आने के दूसरे दिन से ही वैक्सीन दी जाती थी. लेकिन मुंबई उच्च न्यायालय ने यह आदेश दिया है कि नागरिकों को एक दिन

पहले वैक्सीनेशन बंद होने और वैक्सीनेशन शुरू होने की सूचना देना जरूरी है. एक तरफ बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश से पहले जिस दिन वैक्सीन का स्टॉक आता था उसके दूसरे दिन ही वैक्सीनेशन शुरू कर दिया जाता था. तो दूसरी तरफ जब वैक्सीन का स्टॉक खत्म हो जाता था तो अचानक वैक्सीनेशन रोक भी दिया जाता था. वैक्सीन सेंटर तक आए लोगों को अचानक वैक्सीन खत्म होने की सूचना दी जाती थी. इससे वैक्सीन लगवाने की उम्मीद से वैक्सीन सेंटर तक आए लोगों को बिना वैक्सीन के लिए घर वापस लौटना पड़ता था.13 अगस्त को वैक्सीन मिल सकती है अगर हालांकि कुछ अधिकारियों का कहना है कि 13 अगस्त को वैक्सीन दी जा सकती है अगर 12 अगस्त की सुबह प्रशासन को वैक्सीन का स्टॉक मिल जाए.

लेकिन इसकी संभावना कम है क्योंकि वैक्सीन का स्टॉक 12 अगस्त की रात को आने वाला है. ऐसे में 13 अगस्त को वैक्सीनेशन शुरू करना मुश्किल है. बीएमसी का कहना है कि मुंबई की जनता को पालिका लगातार वैक्सीन के स्टॉक से जुड़े अपडेट देती रहती है. वैक्सीनेशन तभी शुरू किया जा सकता है जब वैक्सीन का स्टॉक उपलब्ध हो. इसलिए पहले से डेट बताना मुश्किल होता है कि कब से वैक्सीनेशन फिर शुरू होगा.

महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस के आए 20 नए मरीज, मुंबई के लिए खतरे की घंटी!

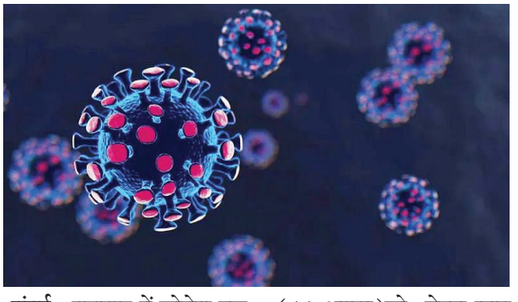

मुंबई : महाराष्ट्र में कोरोना एक बार फिर खतरे की आशंका बढ़ा रहा है. राज्य में बुधवार (11 अगस्त)को डेल्टा प्लस वेरिएंट के 20 नए मरीज सामने आए. इससे राज्य में डेल्टा प्लस वेरिएंट के मरीजों की संख्या 65 तक पहुंच गई है. इन नए 20 डेल्टा प्लस वेरिएंट के मरीजों में मुंबई के 7, पुणे के 3 और नांदेड, गोंदिया, रायगढ़, पालघर में हर जगह से 2-2 मरीज मिले हैं. इसके अलावा चंद्रपुर और अकोला से 1-1 मरीज मिले हैं. कोरोना नियंत्रण के लिए राज्य में प्रतिबंधों के उपाय के साथ-साथ कोरोना टेस्टिंग पर भी खास तौर से ध्यान दिया जा रहा है.हर जिले से 100 सैंपल्स को खास टेस्ट के लिए लेब में भेजा जा रहा है. कई लोगों का जिनोम सिक्वेंसिंग नियमित रूप से करवाया जा रहा है. इस जिनोम सिक्वेंसिंग की जांच से राज्य में 65 डेल्टा प्लस वेरिएंट के मरीज पाए गए हैं.65 डेल्टा प्लस वेरिएंट के मरीजों में 32 पुरुष, 33 महिलाएं इन 65 डेल्टा प्लस वेरिएंट के मरीजों में से 32 पुरुष और 33 स्त्रियां पाई गई है. सबसे ज्यादा 33 डेल्टा प्लस मरीज 19 साल से 45 साल तक की उम्र के हैं.

शराब की दुकानें खोली जा सकती हैं तो मंदिर क्यों नहीं बीजेपी नेता राम कदम ने उद्धव सरकार को दी जल्द फैसला लेने की चेतावनी

मुंबई। महाराष्ट्र में धार्मिल स्थल न खोले जाने को लेकर बीजेपी महाराष्ट्र सरकार पर पूरी तरह से हमलावर है. बीजेपी प्रवक्ता राम कदम का कहना है कि राज्य सरकार जब शराब की दुकानें, बार और रेस्टोरेंट खोलने को सशर्त मंजूरी दे सकती है तो मंदिर क्यों नहीं खोले जा सकते. इसके साथ ही बीजेपी नेता ने चेतावनी दी है कि अगर मंगलवार से पहले मंदिर खोलने को लेकर सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया तो वह सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे. सरकार उन्हें नहीं रोक पाएगी. वहीं एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक का कहना है कि शिक्षा विभाग ने राज्य में जो स्कूल-कॉलेज खोलने का प्रस्ताव दिया है उस पर पिडीएट्रिक टास्क फोर्स, जनरल टास्क फोर्स, सीएम और शिक्षा मंत्री की ज्वॉइंट बैठक होगी. इसके बाद ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा. वहीं महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी अगर 14 दिन पहले कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके हैं तो ही लोकल ट्रेन में ट्रैवल कर सकेंगे.बिना वैक्सीन यात्रा करने वालों से 500 रुपये का फाइन वसूला जाएगा. वहीं IPC की धारा 1860 के तहत कार्रवाई भी की जा सकती है. महाराष्ट्र सरकार ने होटल्स, रेस्टोरेंट, बार को उनकी क्षमता के 50 फीसदी क्षमता के साथ खोले जाने को मंजूरी दे दी है . रात 10 बजे तक इन्हें खोला जा सकता है. वहीं वेटिंग रूम में इंतजार कर रहे लोगों को मास्क पहनना जरूरी होगा. सैनिटाइजेशन पर भी महाराष्ट्र सरकार ने खास जोर दिया है. रात 10 बजे तक सभी दुकानें खोले जाने को भी परमिशन दे दी गई है. अब राज्य में सभी शॉपिंग मॉल भी खोलने को मंजूरी दी गई है. लेकिन शॉप के बाहर पोस्टर के जरिए ये बताना होगा कि भीतर काम करने वाले सभी कर्मचारी वैक्सीनेटेड हैं. महाराष्ट्र में जिम, सलून, स्पा और योगा सेंटर को भी 50 फीसदी क्षमता के साथ रात 10 बजे तक खोला जा सकेगा.

पत्नी को मनाने के लिए रची खौफनाक साजिश, जिंदा बेटे की सजाई अर्थी, बेटी के गले में डाला फंदा

मुंबई. महाराष्ट्र में एक शख्स ने गुस्से में गांव गई पत्नी को वापस बुलाने के लिए बच्चों की मौत की झूठी कहानी बना दी. इतना ही नहीं उसने बेटी के फांसी के फंदे और बेटे की अर्थी की फोटो तक पत्नी को भेज दी. पुलिस ने बताया कि 33 वर्षीय सुचित गौड़ की पत्नी बीते दिनों नाराज होकर गांव चली गई. उसे वापस बुलाने के लिए गौड़ ने यह सब किया. पड़ोसियों को इस घटना की जानकारी तब हुई जब शख्स बेटी के गले में फंदा डाल रहा था. इसी दौरान बेटी डरकर चिल्लाने लगी. उसकी आवाज सुनकर पड़ोसी आए और बच्चों को बचाया. फिर पड़ोसियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी. कुरार पुलिस ने मामला दर्ज कर गौड़ को गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस ने बताया कि पत्नी को वापस बुलाने के लिए उसने पहले बेटे को सफेद रंग का कफन ओढ़ा दिया और उस पर फूल माला डाल दिए. 8 वर्षीय बेटा भी पिता के कहने में आ गया और चुपचाप सोया रहा. लेकिन जैसे ही उसने 13 वर्षीय बेटी के गले में फंदा डाला, उसने तुरंत शोर मचा दिया. गिरफ्तारी के वक्त भी नशे में था आरोपी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी प्रकाश बेले ने बताया कि गौड़ नशे में बच्चों और पत्नी को पीटता था. 2 साल पहले पत्नी गांव चली गई. कुछ दिन पहले गौड़ गांव गया और बच्चों को साथ मुंबई ले आया. पड़ोसियों ने बताया कि जब वह बेटी के चिल्लाने पर पहुंचे तो देखा कि शख्स उसके पैर के नीचे से बाल्टी हटाकर पंखा चलाने वाला था.

ऊंची उड़ान भरना चाहता था यवतमाल का रैंचो, खुद के बनाए हेलीकॉप्टर में हुई मौत

मुंबई: महाराष्ट्र के यवतमाल में एक हादसे में वहां के रैंचो की मौत हो गई. दरअसल यवतमाल के रहने वाले शेख इस्माइल इब्राहिम को लोग प्यार से रैंचो कहते थे. वह बचपन से ही कबाड़ और जुगाड़ की चीजों से कुछ न कुछ नया बनाता था. अब उसने पूरी लगन के साथ हेलीकॉप्टर बनाया था. इसे वह स्वतंत्रता दिवस पर उड़ाना चाहता था. इससे पहले उसने उसकी ट्रायल उड़ान करनी चाही, लेकिन इस दौरान हादसे में उसकी मौत हो गई.यह घटना महाराष्ट्र के यवतमाल जिले की है. महागांव तहसील के फुलसावंगी गांव का रहने वाले शेख इस्माइल उर्फ रैंचो की उम्र 24 साल थी. बचपन से वह जुगाड़ तकनीक में महारथी था. वह कबाड़ और अन्य चीजों से कुछ रोचक चीजें बनाता था.रैंचो ने अपनी ही वर्कशॉप में पूरी लगन के साथ एक हेलीकॉप्टर बनाया था. इसके लिए उसने रात दिन एक कर दिए थे. जब हेलीकॉप्टर पूरी तरह से बनकर तैयार हो गया तो इस्माइल उसे 15 अगस्त पर उड़ाना चाहता था.

हालांकि इससे पहले उसने उसका परीक्षण करने की योजना बनाई थी. वह अपने हेलीकॉप्टर को मैदान में ले गया. इस दौरान बड़ी संख्या में लोग भी वहां इस हेलीकॉप्टर को उड़ता हुआ देखने के लिए मौजूद थे. इस्माइल ने हेलीकॉप्टर का इंजन स्टार्ट किया. वह उड़ान भरने को तैयार था तभी हेलीकॉप्टर का ब्लेड उसके सिर पर गिर गया. इससे उसकी मौत हेलीकॉप्टर के अंदर ही हो गई.

गांववालों के अनुसार बचपन सें उसने चॉपर बनाकर उसमें बैठकर घूमने का सपना देखा था. उसका भाई वेल्डर था, इसके चलते वेल्डिंग का पूरा काम वह भी जानता था. उसने हेलीकॉप्टर बनाने के लिए जरूरी चीजें भी सीखी थीं.

3 दिन तक घर में पिता का शव घर में रखकर बेटी ने कर ली खुदकुशी

पालघर. महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार में सामने आई एक दुखद घटना में बेटियों ने कोविड-19 जांच के डर से बुजुर्ग पिता का शव तीन दिन तक घर में रखा. इस दौरान एक बेटी ने खुदकुशी कर ली, जबकि अपनी जान देने का प्रयास करने वाली दूसरी बेटी को बचा लिया गया. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. बेटियों को डर था कि पिता की मौत के बाद उनकी जांच की जाएगी और संक्रमित मिलने पर उन्हें पृथक-वास में रखा जाएगा.अरनाला सागरी थाने के वरिष्ठ निरीक्षक राजू माने ने कहा कि सेवानिवृत राशन अधिकारी हरिदास सहरकर का क्षत-विक्षत शव बुधवार को विरार के गोकुल कस्बे में उनके घर से मिला.

संपादकीय

पीछे लौटता चीन

पूर्वी लद्दाख में गोगरा इलाके से चीनी सेना का पीछा हटना भारत के लिए एक बड़ी सफलता है, लेकिन यह ध्यान में रखना होगा कि इस सैन्य गतिरोध का समाधान दोनों पक्षों के बीच लंबी बातचीत के बाद हो सका। कायदे से इस साल फरवरी में पैंगोंग झील इलाके से सेनाओं को पीछे हटाने पर सहमति बन जाने के बाद अन्य क्षेत्रों में भी आमने-सामने खड़ी सेनाओं को अपने स्थान पर लौट जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो चीन के अड़ियल रवैये के कारण। चीन खुद की ओर से पैदा किए गए सैन्य गतिरोध को सुलझाने के मामले में किस तरह अड़ियल रवैया अपनाता है और दूसरे पक्ष को थकाने की रणनीति पर चलता है, इसका एक प्रमाण यह है कि अभी हाट स्प्रिंग और देपसांग इलाके से चीन अपनी सेना को पीछे लौटाने के लिए तैयार नहीं। यह अच्छा है कि भारत चीन की थकाने वाली रणनीति को समझ गया है और वह भी उसे उसकी ही भाषा में जवाब दे रहा है। शायद यही कारण है कि चीन एक के बाद एक इलाकों से अपने कदम पीछे खींचने के लिए मजबूर हो रहा है, लेकिन जब तक पैंगोंग और गोगरा की तरह से बाकी इलाकों से चीन अपनी सेना को पीछे नहीं लौटाता, तब तक उस पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए।भारत को अपनी यह बात बार-बार दोहराते रहना चाहिए कि जब तक सीमा पर यथास्थिति कायम नहीं हो जाती, तब तक दोनों देशों के संबंधों में सुधार नहीं आ सकता। भारत को केवल सैन्य गतिरोध वाले शेष इलाकों से ही सेनाओं की वापसी पर जोर नहीं देना चाहिए, बल्कि यह भी रेखांकित करना चाहिए कि संबंधों में सुधार के लिए सीमा विवाद को हल करना आवश्यक है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चीन सीमा विवाद को हल करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। यह सामान्य बात नहीं कि सीमा विवाद को लेकर बीते दो दशक से भी अधिक समय से बातचीत हो रही है, लेकिन मामला जहां का तहां है। इससे यही पता चलता है कि चीन सीमा पर छेड़छाड़ करने के इरादे से ही सीमा विवाद को हल करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है। चीन पर दबाव बढ़ाने के लिए जरूरी केवल यह नहीं है कि सीमा पर उसकी सेना के अतिक्रमणकारी रुख पर सख्त रवैया अपनाया जाए, बल्कि यह भी है कि उस पर आर्थिक निर्भरता कम करने के प्रयासों को जारी रखा जाए।

विस्तार की राह पर आरक्षण

पिछड़ी और अनुसूचित जातियों की सूची में आना-जाना, जुड़ना-घटाना वस्तुतः जनतंत्र में राज्य द्वारा प्रदत्त अवसरों, सुविधाओं एवं सामाजिक समूहों को गतिमान बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ा है। ऐसे में, राज्यों को ओबीसी (अन्य पिछड़ी जातियों) की सूची बनाने और उसमें जोड़-घटाव करने की शक्ति का मिलना एक सकारात्मक कदम है। राज्य सरकारें तुलनात्मक रूप से राज्य की जनता के अधिक करीब होती हैं, वे उनमें हो रहे बदलावों को पास से देख एवं समझ रही होती हैं। ऐसे में, ओबीसी में किन जातियों को जुड़ना चाहिए या किन्हें अलग करना चाहिए, यह अधिकार केंद्र से राज्यों को स्थानांतरित होना जरूरी ही था। साथ ही, उन्हें इसमें बदलाव करने की वैधानिक शक्ति का दिया जाना भी भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक जरूरी और निर्णायक कदम है।

ओबीसी से किसी जाति या समूह का जुड़ना भारतीय जनतंत्र द्वारा प्रदत्त विकास के अवसरों से जुड़ जाना है, इसीलिए कई प्रभावी जातियां जो पहले ऊंचे सामाजिक ओहदे पर बैठी (ऊंची जातियां) मानी जाती रही हैं, वे अब अन्य पिछड़ी जातियों की श्रेणी में आना चाहती हैं। पहले भारतीय समाज में ऊंची जाति होने की होड़ थी, अब ओबीसी एवं अनुसूचित जाति की सूची में आने की प्रतिद्वंद्विता मची है।

ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि जनतंत्र ने शक्ति एवं सम्मान के प्रतीकों में बड़ा बदलाव किया है। पहले की समाज व्यवस्था में ऊंचे पायदान पर खड़ी जातियों को जो सामाजिक अवसर व सम्मान हासिल था, वह क्षरित तो हुआ ही है, साथ ही, जनतंत्र एवं आधुनिकता ने विकास, गतिशीलता व सम्मान के नए अवसर निर्मित किए हैं, जो ओबीसी और अनुसूचित जाति जैसी कोटियों में शामिल होने से ही मिल सकता है। यूं तो ओबीसी की प्रभावी जातियां अंग्रेजों के जमाने में ही अपनी विकसित हो रही राजनीतिक व जनतांत्रिक आकांक्षाओं के कारण ऊंचे पायदान पर बैठी जातियों से प्रतिद्वंद्विता करने लगी थीं, किंतु आजादी के बाद देश के बडे. नेता राम मनोहर लोहिया के नेतृत्व में संगठित एवं गोलबंद हो, विकास के अवसरों में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग रखी थी। उस वक्त एक नारा पिछड़ा मांगे सौ में साठ देश के गांव-गांव में गूंजने लगा था। मध्यवर्ती जातियों में आगे बढ़ने एवं ऊंची जातियों के सामाजिक-राजनीतिक महत्व को चुनौती देने की चाह बढ़ने लगी थी। हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यासकार फणीश्वरनाथ रेणु का उपन्यास मैला आंचल व अन्य कहानियां अत्यंत सजीव ढंग से आजादी के बाद के इस परिवर्तन को रेखांकित कर रही थीं। इसी चाहत ने आगे चलकर इतनी बड़ी राजनीतिक शक्ति प्राप्त कर ली कि इन सामाजिक समूहों के अपने नेता व अपनी पार्टियां बनने लगीं। इन्हीं बढ़ती हुई अन्य पिछड़ी जातियों की राजनीतिक शक्ति व आकांक्षाओं के दबाव में विश्वनाथ प्रताप सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की गईं। इसने ओबीसी से जुड़ने को एक बड़े अवसर में बदल दिया। परिणाम यह हुआ कि कई जातियां और सामाजिक समूह ओबीसी श्रेणी से जुड़ने के लिए राजनीतिक दबाव बनाने लगे। महाराष्ट्र में मराठा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा में जाट, कर्नाटक में लिंगायत, गुजरात में पटेल अपने-अपने राज्य में प्रभावी सामाजिक समूह हैं। ये जातियां पिछले दशकों से ओबीसी श्रेणी में आने की लड़ाई लड़ रही हैं। इन राज्यों में किसी की भी सरकार हो, वह इन समूहों को नाराज नहीं करना चाहेगी। फलतः कई बार इन्हें ओबीसी श्रेणी में लाने की चाहत राज्य सरकारों ने जाहिर की, लेकिन सांविधानिक अड़चनों और उनके अपने दायरों के कारण यह संभव न हो सका। अब संसद से पारित इस बिल से ऐसी अड़चनें दूर होंगी और ऐसे कई समूहों का ओबीसी श्रेणी से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। किंतु राज्यों को यह अधिकार मिलने की कुछ सीमाएं भी हैं और इससे कुछ प्रश्न भी उभरते हैं। पहली समस्या तो यही उभरती है कि अगर प्रभावी जातियां ओबीसी श्रेणी में आती हैं, तो क्या ओबीसी कोटि के प्रभावी सामाजिक समूहों के साथ इनका जनतांत्रिक सुविधाओं व अवसरों पर दावों के लिए टकराव बढेगा।

अगर ऐसा हुआ, तो एक राजनीतिक गोलबंदी तो बन सकती है, पर क्या इससे एक सामाजिक टकराव की स्थिति बनेगी? ऐसा हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे दैनिक जीवन के अपने दबाव समाज में स्वतः एक प्रकार का एडजस्टमेंट या समायोजन पैदा कर देते हैं। फलतः ऐसे टकराव अगर हुए

घर-संसार

नाग पंचमी पर इस मंत्र का करें जाप, देवता होंगे प्रसन्न, जीवन में आएगी खुशियों की बहार

शास्त्रों में सांप को पूजनीय माना गया है। भगवान शिव जहां इसे अपने गले में धारण करते हैं। वहीं जगत के पालनहार विष्णु शेषनाग पर विराजमान होते हैं। सर्प एक जहरीला जीव है। हालांकि इसकी सभी प्रजातियां खतरनाक नहीं होती है। लेकिन फिर मनुष्य को इनसे डर रहता है। धरती पर नागों की महत्व और उनके संरक्षण के लिए हर साल नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। नाग पंचमी सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तारीख को मनाई जाती है। इस साल नाग पंचमी 13 अगस्त शुक्रवार को है। नाग पंचमी के दिन सर्प की पूजा की जाती है। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नागों की पूजा करने से भगवान शिवजी प्रसन्न होते हैं। वह जातकों की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। साथ ही काल सर्पदोष का प्रभाव खत्म होता है और जीव को लेकर मन से डर निकल जाता है। गरुड़ पुराण में नाग पंचमी के दिन घर के दरवाजे के दोनों तरफ नाग का चित्र बनाकर उनकी पूजा करने का जिक्र है। जबकि स्कन्द पुराण में नाग पंचमी पर सांपों का पूजन से मनोकामना पूरी होने की बात कहीं गई है नाग पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। फिर नाग देवता का स्मरण करें। इसके बाद घर के दरवाजे के दोनों तरफ हल्दी और चंदन से पांच नाग बनाएं। पुष्प, पंचामृत, धूप से विधिवत पूता करें और भोग लगाएं। फिर सर्प सूक्त का पाठ करें। वहीं मंत्र ओम नागकुलाय विद्महे विषदन्ताय धीमहि तन्नो सर्पः प्रचोदया का 108 बार जाप करें। इस मंत्र का जाप करने से जातकों के घर में खुशहाली आती है।

UP में कोरोना कर्फ्यू अब सिर्फ रविवार को, कोचिंग संस्थान भी खुले

CM योगी के निर्देश के बाद गाइडलाइन जारी

लखनऊ। महीनों तक आम जनजीवन को दहशत भरी कैद में रखने वाले कोरोना संक्रमण का दम प्रदेश में लगभग टूट चुका है। 16 अप्रैल से चरणवार बढ़ीं और घटीं बंदिशों के बाद अधिकांश गतिविधियां शुरू कर दी गई थीं, लेकिन दूसरी लहर पूरी तरह काबू में आने के बाद सरकार ने अब कोचिंग संस्थानों को भी खोलने की अनुमति देने के साथ ही दो दिन की साप्ताहिक बंदी से भी जनता को राहत दे दी है। अब सिर्फ रविवार को ही कोरोना कर्फ्यू रहेगा। कोरोना की आपदा से बेहाल हुआ जनजीवन अब पूरी तरह ढर्रे पर आ रहा है। संक्रमण के नए मामले अब गिने-चुने ही आ रहे हैं।बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय बैठक में वर्तमान हालात की समीक्षा कर साप्ताहिक बंदी को दो दिन से घटाकर एक दिन करने के साथ ही कोचिंग संस्थान खुलवाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके बाद अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया। इसके तहत सप्ताह में छह दिन सभी गतिविधियों की अनुमति रहेगी। साप्ताहिक बंदी सिर्फ रविवार को ही रहेगी। यह आदेश आगामी शनिवार से लागू होगा। रात दस से सुबह छह बजे तक की रात्रिकालीन बंदी अभी लागू रहेगी। इसके साथ ही अप्रैल से बंद चल रहे कोचिंग संस्थान को भी खोलने की अनुमति सरकार ने दे दी है। इनकी बंदी भी अब सिर्फ रविवार को ही रहेगी।उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त से माध्यमिक शिक्षा के स्कूल और एक सितंबर से उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई शुरू करने का आदेश सरकार पहले ही जारी कर चुकी है। दुकान-बाजार आदि भी एक जून से खोल दिए गए थे। अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रतिबंध हटा लिए गए हैं, लेकिन कोविड प्रोटोकाल का पालन हर संस्था और स्थान पर करना होगा।20 अप्रैल : 29,754 कोरोना रोगियों के मिलने और 163 की मृत्यु होने पर शुक्रवार रात आठ से सोमवार सुबह सात बजे तक यानी शनिवार और रविवार की साप्ताहिक बंदी लागू की गई थी।29 अप्रैल : शुक्रवार रात आठ से मंगलवार सुबह सात बजे तक यानी शनिवार, रविवार और सोमवार की साप्ताहिक बंदी की गई।03 मई : कोरोना कर्फ्यू को छह मई तक बढ़ाया गया।

05 मई : कोरोना कर्फ्यू को 10 मई तक के लिए विस्तार।09 मई : कोरोना कर्फ्यू को 17 मई तक के लिए बढ़ाया गया।15 मई : कोरोना कर्फ्यूको 24 मई तक के लिए बढ़ाया गया।23 मई : कोरोना कर्फ्यू को फिर 31 मई तक के लिए बढ़ाया गया।

एक सितंबर से खुलेंगे कक्षा 6 से 8 तक के स्कूल, CM योगी ने दिए ये निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सभी बोर्डों के कक्षा 9 से 12 तक के माध्यमिक कालेज और डिग्री कालेज 16 अगस्त से खुलने जा रहे हैं। इस संबंध में पिछले दिनों गाइडलाइन भी जारी कर दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को निर्देश दिया है कि अभी शिक्षण संस्थानों में 50 फीसद क्षमता के साथ भौतिक रूप से पढ़ाई शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाहकार समिति के दिशा-निदेर्शों का सभी शिक्षण संस्थान अवश्य पालन करें। कक्षाएं दो पाली में चलें और कोविड प्रोटोकाल का पूरा ध्यान रखा जाए।सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार टीम-9 की बैठक में कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कक्षा छह से आठ तक के कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाए। स्थिति का आकलन करते हुए इन विद्यालयों में एक सितंबर से पढ़ाई शुरू की जा सकती है। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के बाद माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक और व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई शुरू हो रही है। इसके दृष्टिगत 18 वर्ष से अधिक विद्यार्थियों के टीकाकरण के लिए विश्वविद्यालय, स्कूल और कालेज परिसर में ही टीकाकरण शिविर लगाए जाएं। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में भी शिक्षकों और कार्मिकों के लिए भी विद्यालय परिसर में टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाएं।बता दें.

उच्चतम खतरा बिंदुसे अब 51 सेमी नीचे गंगा

बलिया : गंगा में बुधवार को भी बढ़ाव जारी रहा। गायघाट में शाम पांच बजे जलस्तर 59.880 मीटर दर्ज किया गया। गंगा उच्चतम खतरा बिदु 60.390 से अब 51 सेमी नीचे हैं। स्थिति भयावह होते जा रही है। तूतीपार डीएसपी हेड पर सरयू का जलस्तर 63.850 मीटर दर्ज किया गया। यहां खतरा बिदु 64.01 है। सरयू अभी खतरा निशान से नीच बह रहीं हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे वाराणसी, बांटी बाढ़ राहत सामग्री, परखी तैयारी

वाराणसीः मुख्यमंत्री दोपहर करीब तीन बजे हेलिकाप्टर से वाराणसी आ गए। उन्होंने हेलीकाप्टर से ही बाढ की स्थिति देखी। जिले में बाढ़ के हालात का जायजा लेने के बाद संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में उनका हेलिकाप्टर उतरा। पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। सीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। एनडीआरएफ के साथ बोट में बैठ कर खुद बाढ़ की स्थिति देखी।

महामारी से आजादी कोरोना संक्रमण से जीवन संगिनी ने साथ छोड़ा, फिर भी संभाली व्यवस्था

बलिया : यह सही है कि एक चिकित्सक की अथक सेवा भाव और त्याग ही उन्हें भगवान का दर्जा दिलाता है। कोरोना संक्रमण काल में जब सभी को घर में रहने की सलाह दी जा रही है तो ऐसे में इन डॉक्टरों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कोरोना की दूसरी लहर में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व कोविड के नोडल अधिकारी डा. हरिनंदन प्रसाद के जिम्मे एक नहीं कई काम थे। मरीजों के लिए एंबुलेंस उपलब्ध कराना। कोरोना से किसी की मौत हो गई तो उसे सही तरीके से अंतिम संस्कार कराना। पॉजिटिव आ रहे लोगों के लिए दवा से लेकर अस्पताल में मिली व्यवस्था का मानीटरिग करना। विभागीय पोर्टल कोविड-19 से जुड़ी हर सूचना अपडेट कराना आदि। श्री प्रसाद इन्हीं कार्यों में उलझे थे, तभी उनकी पत्नी रीता नायक की रिपोर्ट पॉजिटिव आ जाती है। ने 30 अप्रैल 2021 को सदैव के लिए साथ छोड़ दिया।

ओशो का शुरूआती जीवन

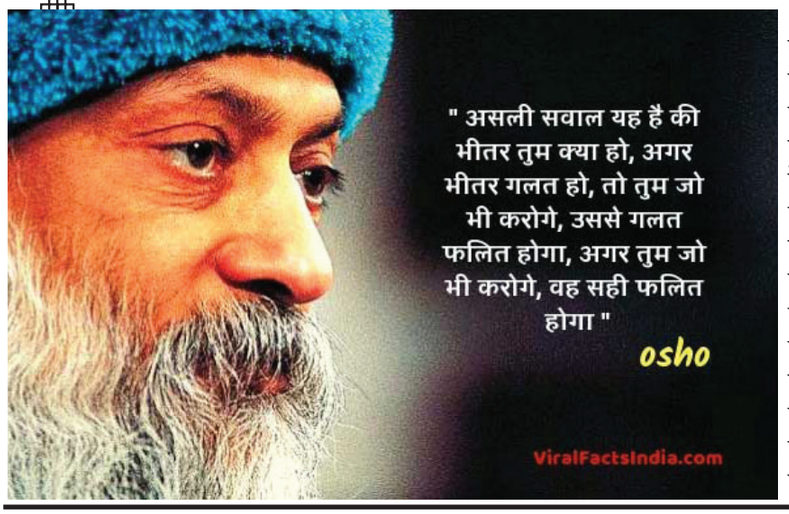

वक्त उनका नाम चंद्रमोहन जैन था. बचपन से ही उन्हें दर्शन में रुचि पैदा हो गई. ऐसा उन्होंने अपनी किताब ग्लिप्सेंस ऑफड माई गोल्डन चाइल्डहु में लिखा है. उन्होंने अपनी पढ़ाई जबलपुर में पूरी की और बाद में वो जबलपुर यूनिवर्सिटी में लेक्चरर के तौर पर काम करने लगे.उन्होंने अलग-अलग धर्म और विचारधारा पर देश भर में प्रवचन देना शुरू किया.प्रवचन के साथ ध्यान शिविर भी आयोजित करना शुरू कर दिया. शुरूआती दौर में उन्हें आचार्य रजनीश के तौर पर जाना जाता था.नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने नवसंन्यास आंदोलन की शुरूआत की. इसके बाद उन्होंने खुद को ओशो कहना शुरू कर दिया. साल 1981 से 1985 के बीच वो अमरीका चले गए. अमरीकी प्रांत ओरेगॉन में उन्होंने आश्रम की स्थापना की. ये आश्रम 65 हजार एकड़ में फैला था.ओशो का अमरीका प्रवास बेहद विवादास्पद रहा. महंगी घड़ियां, रोल्स रॉयस कारें, डिजाइनर कपड़ों की वजह से वे हमेशा चर्चा में रहे.ओरेगॉन में ओशो के शिष्यों ने उनके आश्रम को रजनीशपुरम नाम से एक शहर के तौर पर रजिस्टर्ड कराना चाहा लेकिन स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया.

बालों पर तुलसी का तेल लगाने से दूर होती हैं ये 5 समस्याएं

झड़ते और टूटते बालों की समस्या से आज के समय में अमूमन लोग परेशान हैं। हालांकि बाल टूटना और झड़ना चिंताजनक विषय है, क्योंकि बाल एक बार चले जाने के बाद प्राकृतिक रूप से दोबारा नहीं आते हैं। हालांकि दिनभर में कुछ बालों का टूटना तो प्राकृतिक होता है, लेकिन यह चिंता का विषय तब बन जाता है जब दिनभर में कई बाल टूटते हों। अगर आपके साथ भी यह बाल टूटने और झड़ने या फिर बालों से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं तो यह लेख आपके काम का हो सकता है। इस लेख के माध्यम से आज हम आपको बालों की समस्या का एक अचूक इलाज बताएंगे। जी हां, बालों पर तुलसी का तेल लगाने से बालों की समस्या जैसे डैंड्रफ, टूटते-झड़ते बाल, प्रीमेच्योर ग्रेइंग या फिर पतले बालों आदि की समस्या दूर होती है। तुलसी के तेल में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जो बालों को हेल्दी बनाती हैं। चलिए जानते हैं तुलसी के तेल से दूर होने वाली बालों की समस्याओं के बारे में। महिलाए और पुरुष दोनों ही बालों के टूटने की समस्या से झूझते हैं। बालो का टूटना बहुत स्ट्रेस देता है। बालो को झड़ने से रोकने के लिए आप तुलसी का तेल लगा सकते हैं। तुलसी के तेल में कैम्फर की मात्रा होती है। जो स्कैल्प पर ब्लड फ्लो बढाता है। यह हेयर फॉल में काफी मददगार होता है। साथ ही तुलसी ऑयल में लिनालूल नामक तत्व होता है। इसकी एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुण बालों की रूकी हुई ग्रोथ को तेजी से बढ़ाते हैं और हेयर फॉल रोकते हैं। ड्राई बालों की समस्या दूर करने के लिए घर पर बनाएं ये 4 बेहतरीन हेयर क्रीम, जानें तरीकतुलसी का तेल बालों में लगाने से बालों का रूखापन दूर होता है। साथ ही बालों का खोया शाइन वापस मिलता है। तुलसी ऑयल बालों को फ्रेशनेस देता है। इससे बालों में वॉल्यूम भी आता है। इसके उपयोग से चिपके हुए बाल से छुटकारा मिलता है। यह स्कैल्प पर ब्लड सकुर्लेशन का स्तर बेहतर बनाकर ऑयल प्रोडक्शन प्रभावित करता है। तुलसी का तेल बालों को हाइड्रेट कर स्कैल्प पर क्लोज्ड पोर्स को खोलता है, जिससे हेयर ग्रोथ होती है और बालों का रूखापन दूर होता है। इससे बालों को नमी मिलती है।

गहना वशिष्ठ की सेशन कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका की खारिज

अब हाई कोर्ट में लगाएंगी गुहार

अश्लील फिल्म रैकेट में राज कुंद्रा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं. राज इन दिनों जेल की हवा खा रहे हैं. राज कुंद्रा से पहले सबसे पहले जिसका नाम इस मामले में आया था वो हैं एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ. गहना को इस मामले में जेल में तक रहना पड़ा था. अब गहना को एक बार फिर से इस मामले के बढ़ने पर गिरफ्तारी का डर लग रहा है. यही कारण है कि एक्ट्रेस ने जमानत के लिए गुहार लगाई है.आपको बता दें कि हाल ही में गहना वशिष्ठ ने एक सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत की गुहार लगाई थी. लेकिन गहना को कोर्ट से झटका मिला है. जी हां राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी मामले में एक बार गिरफ्तार हो चुकी अभिनेत्री गहन वशिष्ठ को सेशन कोर्ट से बड़ा झटका मिला है.गहना वशिष्ठ को सेशन कोर्ट से झटका लगने के बाद एक्ट्रेस अब हाई कोर्ट जाने वाली हैं. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक गहना अब अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट जाने वाली हैं.आपको बता दें कि कोर्ट ने गहना वशिष्ठ इस मामले में अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है. दरअसल हाल ही में गहना ने उसके खिलाफ दर्ज हुई दूसरी एफआईआर में गिरफ्तारी के डर से अग्रिम जमानत दर्ज की थी. ऐसे में अब साफ है कि गहना की इस मामले में गिरफ्तारी हो सकती हैं.आपको बता दें कि राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद गहना के खिलाफ 28 जुलाई को मुम्बई के मालवणी पुलिस

स्टेशन में दूसरी एफआईआर दर्ज की गई थी. इस गिरफ्तारी के बाद गहना का जमकर गुस्सा फूटा था. आपको बता दें कि हाल ही में एक साक्षात्कार में गहना वशिष्ठ ने कहा था कि पुलिस ने उनसे 15 लाख की मांग की और कहा ये पैसे देने से उनकी गिरफ्तारी रुक जाएगी.

दिनेश कार्तिक ने तेज गेंदबाज सिराज के इस हरकत को बताया अनावश्यक, बोले- आगे चलकर समझ जाएंगे

लंदन। दिनेश कार्तिक को लगता है कि मोहम्मद सिराज का इंग्लैंड के बल्लेबाज जानी बेयरस्टो को पहले टेस्ट में आउट करने के बाद चुप होने का इशारा करना अनावश्यक था। उनका मानना है कि भारतीय तेज गेंदबाज अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में आगे बढ़ते हुए इन चीजों को समझ जाएगा। सिराज विकेट लेने के बाद जश्न मनाते हुए काफी आक्रामक हो गए थे और ड्रा रहे इस टेस्ट में कई बार दोनों को उलझते हुए देखा गया।इस सीरीज में कमेंट्री कर रहे द टेलीग्राफ में कार्तिक ने लिखा, ह्यमुझे लगता है कि सिराज का बल्लेबाज को आउट करके चुप रहने का इशारा कराना अनावश्यक था। आप पहले ही उसे आउट कर चुके हैं, तो इसकी जरूरत क्यों? अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत में सिराज के लिए यही पहली सीख है।

कार्तिक ने आगे लिखा, ह्यहममें से कितने लोगों ने कल्पना की होगी कि विराट कोहली आगे आकर टीम के एक उत्साही साथी को शांत कराएंगे? भारतीय कप्तान को ट्रेंटब्रिज में यह सुनिश्चित करना पड़ा कि मोहम्मद सिराज हद पार न करें। यह टीम जिस तरह से क्रिकेट खेलती है, वह मुझे काफई पसंद है। सिराज और केएल राहुल की तरह खिलाड़ी अपने विरोधियों से बहस में उलझने से झिझकते नहीं हैं। यह नए जमाने का भारत है। कार्तिक अगले महीने से आइपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि आक्रामक होने के अलग-अलग तरीके हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आक्रामकता अलग-अलग तरीकों से दिखाई जाती है। विराट, सिराज और राहुल जैसे कुछ खिलाड़ी आपको बेधड़क मुंह पर जवाब देते हैं। लेकिन मैंने सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे को ऐसा करते नहीं देखा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे आक्रामक नहीं हैं। ज्यादातर भारतीय तेज गेंदबाज आक्रामकता नहीं दिखाते हैं।

T20 वर्ल्ड कप से पहले इन खिलाड़ियों की नहीं हुई साउथ अफ्रीका की टीम में वापसी

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका की टीम को श्रीलंका का दौरा करना है। इस दौरे पर तेंबा बावूमा की कप्तानी वाली टीम तीन-तीन मैचों की वनडे और टी20 सीरीज खेलेगी। इन्हीं दोनों सीरीजों के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का ऐलान हो गया है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने ये भी बता दिया है कि किस खिलाड़ी को किस वजह से टीम में नहीं चुना है, लेकिन तीन दिग्गज खिलाड़ियों पर स्थिति बोर्ड ने स्पष्ट नहीं की है। दरअसल, श्रीलंका दौरे के लिए साउथ अफ्रीका की टीम में पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसिस, इमरान ताहिर और ऑलराउंडर क्रिस मौरिस को नहीं चुना गया है।

दूसरे टेस्ट मैच से ठीक पहले इंग्लैंड टीम ने इस खिलाड़ी को स्क्वायड से किया रिलीज इंग्लैंड क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम प्रबंधन ने गुरुवार को भारत के खिलाफ लार्ड्स में दूसरे टेस्ट से पहले बल्लेबाज ओली पोप को स्क्वायड से रिलीज करने की घोषणा की। युवा खिलाड़ी डबीर्शायर के खिलाफ रायल लंदन कप मैच में सरे के लिए खेलता दिखाई देगा। ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए इंग्लैंड क्रिकेट ने लिखा, ह्यबल्लेबाज ओली पोप को भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए हमारी टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। पोप डबीर्शायर के खिलाफ रायल लंदन कप मैच में सरे के लिए खेलेंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने बुधवार को तेज गेंदबाज साकिब महमूद को भारत के खिलाफ लार्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर गुरुवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए कवर के तौर पर टीम में शामिल करने की घोषणा की थी। इससे पहले स्पिनर डोमिनिक बेस को टीम से रिलीज कर दिया गया था और वे यार्कशायर लौट आए हैं। इसीबी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्यलंकाशायर के तेज गेंदबाज साकिब महमूद को भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। स्पिनर डोम बेस आज सुबह टीम छोड़कर यॉर्कशायर लौटेंगे।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच के आखिरी दिन बारिश के कारण खराब होने के बाद ड्रॉ रहा था। विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम मजबूत स्थिति में थी। टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 157 रनों की जरूरत थी और नौ विकेट उशके हाथ में थे। पर बारिश के कारण मैच के आखिरी दिन एक भी गेंद का खेल नहीं हुआ और मैच ड्रा रहा। मैच में जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में टीम इंडिया के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया था। कप्तान जो रूट को छोड़कर मेजबान टीम का हर बल्लेबाज संघर्ष करता दिखाई दे रहा था। यही कारण था कि इंग्लिश टीम पहली पारी में 200 रन भी नहीं बना सकी थी।

बारिश के कारण मैच रुका, रोहित शर्मा और केएल राहुल क्रीज पर

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरे मैच लंदन के लार्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बारिश के कारण मैच रुकने तक भारतीय टीम ने पहले दिन पहली पारी में बगैर विकेट के 46 रन बना लिए हैं। रोहित शर्मा और केएल राहुल क्रीज पर।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने सधी शुरूआत की। ओपनर रोहित शर्मा और केएल राहुल ने 14 ओवर में 22 रन जोड़ा। इसके बाद रोहित शर्मा ने अक्रामक रुख अपनाया और टीम का स्कोर 17 ओवर में 44 रन हो गया।इस मैच के लिए दोनों टीमों में बदलाव हुए हैं। इंग्लैंड ने तीन बदलाव किए हैं। जैक क्राली की जगह हसीब हमीद, स्टुअर्ट ब्राड की जगह मार्क वुड को शामिल किया गया है और मोइन अली को डेन लारेंस की जगह शामिल किया गया है। टीम इंडिया में एक बदलाव हुआ है। चोटिल शार्दुल ठाकुर की जगह इशांत शर्मा को टीम में शामिल किया गया है।

भारत (प्लेइंग इलेवन): रोहित शर्मा, केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, रिषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

इंग्लैंड (प्लेइंग इलेवन): रोरी बर्न्स, डोमिनिक सिबली, हसीब हमीद, जो रूट (कप्तान), जानी बेयरस्टो, जोस बटलर (विकेटकीपर), मोइन अली, सैम कुर्रन, ओली राबिन्सन, मार्क वुड, जेम्स एंडरसन बता दें नाटिंघम में दोनों टीमों के बीच खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रा रहा था। टीम इंडिया चौथे दिन मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही थी, लेकिन अंतिम दिन बारिश के कारण एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी और मैच ड्रा रहा।

शर्मसार हुआ पिता-बेटी का रिश्ता ! बाप ने नाबालिग बच्ची से फुटपाथ पर खुलेआम की छेड़छाड़

मुंबई: महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में पिता और बेटी का रिश्ता फिर शर्मसार हुआ है. यहां एक पिता द्वारा 12 वर्षीय सौतेली बेटी के यौन उत्पीड़न करने का मामला सामने आया है. पुलिस द्वारा बताया गया कि परिवार मुंबई सेंट्रल में एक फुटपाथ पर रहता था. आरोपि मजदूरी करता है. बेटी के साथ हुई इस हरकत पर मां की शिकायत के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया.मामला मुंबई के अग्रीपाड़ा थाना इलाके का है. पुलिस ने बताया कि अपनी 12 वर्षीय सौतेली बेटी का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 47 वर्षीय एक मजदूर को गिरफ्तार किया है.

10 साल की अनीशा ने लिखा पीएम मोदी को ई-मेल

मुंबई: 10 साल की बच्ची अनीशा के लिए उसका सपना तब सच हो गया, जब वो बुधवार को संसद पहुंची और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली. अनीशा अहमदनगर के सांसद डॉक्टर सुजय विखे पाटिल की बेटी हैं और महाराष्ट्र के दिग्गज नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल की पोती हैं. वो पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक थी और अपने माता-पिता से से उन्हें उनसे मिलाने के लिए कह रही थीं.अनीशा पाटिल को उनके मां-बाप इस बात के लिए समझाते रहे कि प्रधानमंत्री का व्यस्त शेड्यूल होता है और वो शायद आपको मिलने का समय न दे सकें. जब मां-बाप ने नहीं सुनी तो छोटी बच्ची ने अपने पिता के लैपटॉप से लॉगइन कर प्रधानमंत्री को एक ई-मेल भेजामेल में अनीशा ने लिखा, हैलो सर, मैं हूं अनीशा और मैं सच में आकर आपसे मिलना चाहती हूं. जब जवाब आया तो बच्चे की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था. दौड़ के चली आओ बेटा जब विखे पाटिल परिवार संसद पहुंचा तो पीएम मोदी का पहला सवाल था कि अनीशा कहां है? फिर अनीशा ने पीएम मोदी से मिलने पर खुशी जाहिर की. अनीशा की पीएम मोदी से मुलाकात करीब 10 मिनट तक चली, पीएम ने उन्हें चॉकलेट दी. अनीशा के मन में प्रधानमंत्री को लेकर जितने भी सवाल थे उन्होंने वो सारे पूछ डाले. अनीशा ने पूछा क्या आप यहां बैठते हो? क्या यह आपका ऑफिस है? कितना बड़ा ऑफिस है? जिसके जवाब में पीएम मोदी ने कहा कि यह मेरा परमानेंट ऑफिस नहीं है. मैं आपसे मिलने आया था क्योंकि आप यहां आई थीं. सवाल सुनकर हंस पड़े पीएम मोदी जब पीएम मोदी जवाब दे ही रहे थे कि अनीशा ने फिर पूछा, क्या आप गुजरात से हैं? आप कब राष्ट्रपति बनेंगे. इस पर पीएम मोदी हंस पड़े. दस साल की अनीशा पीएम मोदी से कई महीनों से मिलना चाहती थी. आखिरकार एक मेल ने पीएम मोदी से उनकी मुलाकात करवा दी.

राहुल गांधी समेत INC के दिग्गज नेताओं के ट्विटर अकाउंट हुए सस्पेंड, कांग्रेस का अधिकारिक ट्विटर हैंडल ब्लॉक

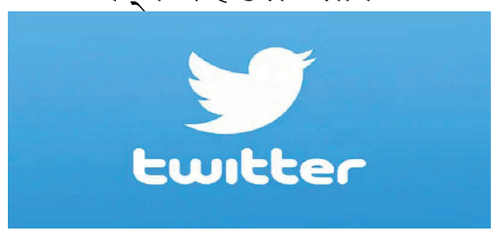

मुंबई : राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट को अस्थाई तौर पर सस्पेंड किए जाने के बाद अब मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी के अधिकारिक ट्विटर हैंडल को भी ब्लॉक कर दिया गया है.राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट को अस्थाई तौर पर सस्पेंड किए जाने के बाद अब मुंबई कांग्रेस कमेटी के अधिकारिक ट्विटर हैंडल को भी ब्लॉक कर दिया गया है. कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष चरण सिंह सपरा ने इस पर आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि इस मामले में वह ट्विटर को चिट्ठी लिखेंगे. बताया जा रहा है कि नियमों के उल्लंघन मामले में ट्विटर की तरफ से ये कार्रवाई की गई है. कांग्रेस ने बुधवार देर रात दावा किया था कि रणदीप सुरजेवाला समेत पांच सीनियर नेताओं के ट्विटर अकाउंट को भी सोशल मीडिया कंपनी ने सस्पेंड कर दिया है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net